Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
UGC Approved Journal No. 63726
Impact Factor:4.081
Volume-12, Issue-4, March-2019 www.researchguru.net

गोरखपुर जनपद में औद्यौगिक विकास

अभिशेक सिंह

शोधछात्र (एस०आर०एफ०),भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, मो0 नं0– 8317044502 E-mail : abhishshsh@gmail.com

औद्योगिक विकास कृषि प्रधान क्षेत्रों के लिए उतना ही आवश्यक है , जितना कि प्राकृतिक खनिज संसाधनो से परिपूर्ण क्षेत्रों के लिए क्योंकि किसी भी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तभी सम्भव है जब तक की उन क्षेत्रों मे औद्योगिक विकास सुव्यवस्थित ढ़ग से न हो।देश के पूर्वोत्तर मे स्थित मैदानी भाग जो आज भी औद्योगिक विकास की गति को नही पकड़ सका है।जिसके कारण इन क्षेत्रों में सभी सम्भावनाएं होने के बावजूद आर्थिक रुप से पिछड़ा हुआ है।भारत में विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्र जहां के उद्योग अलग–अलग विषेशताओं को धारित करते है , का उनके अनुरुप विकास किये जाने पर बल दिया जाना चाहिए। अर्थात समरुप प्रकृति वाले समतल मैदानी क्षेत्रों या ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि प्रधान उद्योगों का विकास एंव खाद्यानों का उत्पादन किया जा सकता है। कुटीर एंव लघु या ग्रामीण उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रो का विकास हो सकता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रो मे आर्थिक समृद्धि के साथ ही देश की आर्थिक स्थिती मे भी सुधार होगा। जिससे बेरोजगारों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और जनसंख्या पलायन पर रोक लगेगा। प्रस्तुत शोध प्रपत्र में गोरखपुर जनपद के औद्योगिक विकास एंव उसके क्षेत्रीय वितरण का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र–

गोरखपुर जनपद उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर भाग में स्थित है। यह जनपद गोरखपुर मंडल मे अवस्थित चार जनपदों मे से एक है, जो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल मे स्थित है। इसकी अवस्थिती 26॰3′उत्तरी से 27॰6′उत्तरी अक्षांश एवं 83॰5′पूर्वी से 83॰40′पूर्वी देशांतर के मध्य है। जनपद के उत्तर मे महराजगंज, पश्चिम मे संत कबीर नगर, एवं सिद्धार्थ नगर, दक्षिण में आजमगढ. एवं मऊ तथा पूर्व में देवरिया एवं कुशी नगर जनपद स्थित है। जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 3321वर्गकिमी० है। 2011 की जनगणना के अनुसार यहां का जनघनत्व 1111व्यक्ति/वर्गकिमी० है। यहां की जनसंख्या उ०प्र० की सम्पूर्ण जनसंख्या का 2.22 प्रतिशत है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से जनपद में 7 तहसीलें, 19 विकासखण्ड और 2938 आबाद ग्राम हैं।जनपद मे गोरखपुर नगर निगम के अतिरिक्त 7 नगर पंचायतें हैं।

ऑकडे. एवं विधि तंत्र–

प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक ऑकडों को उद्देश्यो के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। प्राथमिक ऑकडे. व्यक्तिगत साक्षातकार एवं सर्वेक्षण द्वारा और

प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त किये गये हैं। द्वितीयक ऑकडे विभिन्न शाशकीय, अशाशकीय प्रकाशित श्रोतों से प्राप्त किया गया है।

विभलेषण–(सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम)उद्यम

अध्ययन की सुविधा के लिए यहां उद्योगों को दो वर्गो मे विभक्त किया गया है

1•विर्निमाण

2•सेवाएं प्रदान करने मे लगे उद्यम

उद्यमों के दोनो वर्गों को प्लॉट व मशीनरी में उनके निवेश (विर्निमाण उद्यमों के लिए) या उपकरणों मे उनके निवेश(सेवाएं प्रदान करने मे लगे उद्यमों के लिए) के आधार पर सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यमों मे वर्गीकृत किया जाता है। निवेश पर वर्तमान उच्चतम सीमा को निम्नलिखित प्रकार से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों मे वर्गीकृत किया गया है।

INDUSTRIAL SCENERIO OF Gorakhpur

Sr No	Head	Particulars
1.	REGISTERED INDUSTRIAL UNIT	2650
2.	TOTAL INDUSTRIAL UNIT	2650
3.	REGISTERED MEDIUM & LARGE UNIT	10
4.	ESTIMATED AVG. NO. OF DAILY WORKER EMPLOYED IN SMALL SCALE INDUSTRIES	11200
5.	EMPLOYMENT IN LARGE AND MEDIUM INDUSTRIES	60
6.	NO. OF INDUSTRIAL AREA	1 upside

Source:- DIC Gorakhpur

उपरोक्त तालिका संख्या02 के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में कुल पंजीकृत औद्योगिक ईकाइयों की कुल संख्या 2650 है तथा कुल औद्योगिक ईकाइयों की संख्या 2650 है।यहॉ दीघ्र एवं मध्यम ईकाइयों की कुल संख्या 10 है। औसतन 11200 कर्मचारी प्रतिदिन लघु औद्योगिक ईकाइयों में कार्य करते हैं।वहीं 60 कर्मचारियों को दीघ्र एवं मध्यम ईकाइयों में रोजगार प्राप्त है। जनपद में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के अधीन गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) एकमात्र औद्योगिक क्षेत्र है, इसके अतिरिक्त चौरीचौरा लघु औद्योगिक क्षेत्र के रुप में विकसित हो रहा है। पहले की अपेक्षा वर्तमान समय मे जनपद में उद्योगों का विकास काफी तीव्रगति से हो रहा है, जिसका सबसे प्रमुख कारण भौगोलिक अवस्थिती, परिवहन व्यवस्था एवं वर्तमान औद्योगिक नीतियाँ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 28 और 29 जनपद मे संचार के प्रमुख मार्ग है, जो जनपद के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

YEAR WISE TREND OF UNITS REGISTERED

YEAR	NUMBER OF REGISTERED UNITS	EMPLOYMENT	INVESTMENT (lakh Rs.)
2007-08	525	2404	2447.00
2008-09	525	1843	983.00
2009-10	525	2006	1608.00
2010-11	544	2267	2229.20
2011-12	529	2120	2080.00
Total	2648	10640	9347.00

Source:- DIC Gorakhpur

उपरोक्त तालिका 03 से स्पष्ट है कि वर्ष 2007 से 2012 के मध्य उद्योगों का आंकलन करने से यह ज्ञात होता है की जनपद में ईकाइयों के पंजीकरण में मामूली वृद्धि हुई है। जहॉ वर्ष 2007–08 में ईकाइयों की संख्या 525 थी, वर्ष 2008–09 और वर्ष 2009–10 में भी ईकाइयों की संख्या 525 ही थी । वर्ष 2010–11 में मामूली वृद्धि के साथ ईकाइयों की संख्या 544 हो गई थी, किंतु पुनः 2011–12 में घटकर ईकाइयों की संख्या 529 हो गई है। इन ईकाइयों मे रोजगार के क्षेत्र में कमी आयी है, जहॉ वर्ष 2007–08 में 2404 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ था, वहॉ 2011–12 में घटकर 2120 लोगों को ही रोजगार प्राप्त हो सका है। रोजगार में कमी के साथ–साथ जनपद में निवेश भी घटा है। जहॉ वर्ष 2007–08 मे 2447 लाख रु० का निवेश हुआ था, वहॉ 2011–12 में घट कर 2080 लाख रु० का ही निवेश हुआ है। इसका यह तात्पर्य है कि जनपद में विगत वर्षो में उद्योगों का ह्रास हुआ है।

जनपद में हजारों प्रकार की औद्योगिक ईकाइयॉ कार्यरत हैं जिनमें विभिन्न प्रकार का उत्पादन किया जाता है। जिसे निम्न तालिका द्वारा प्रदर्शित किया गया है –

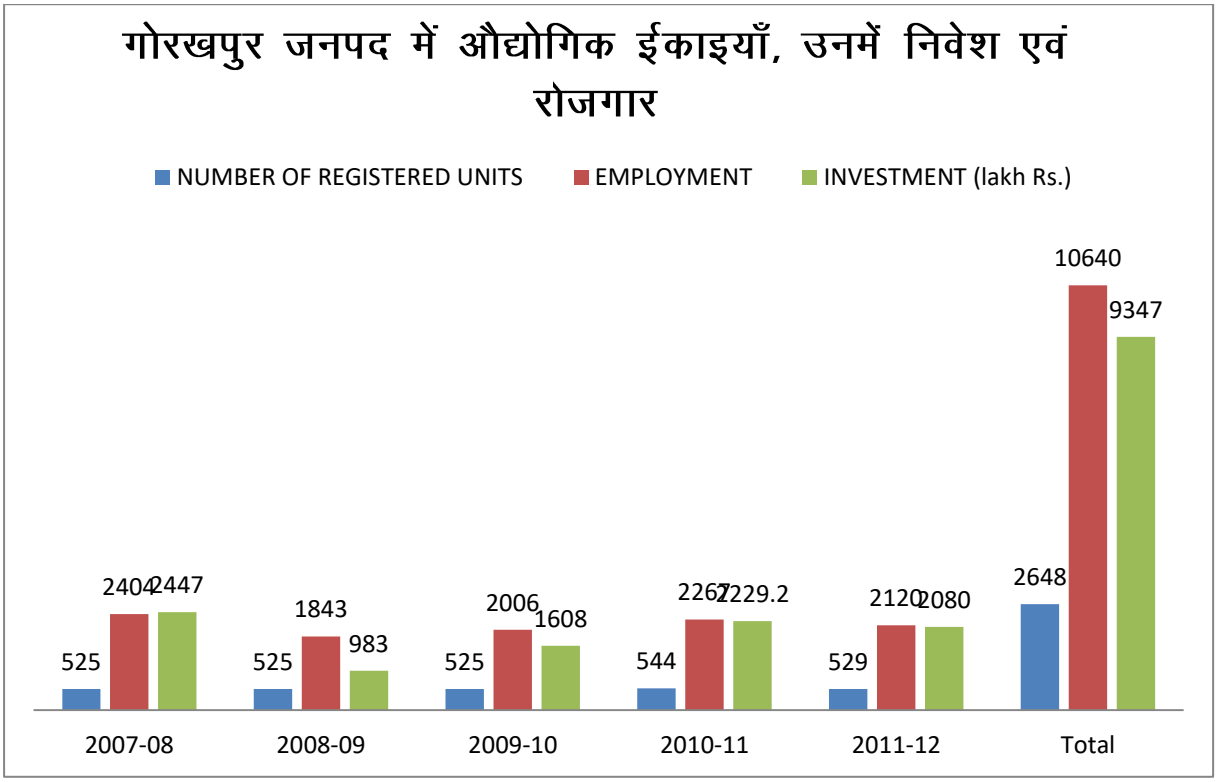

गोरखपुर जनपद में औद्योगिक ईकाइयाँ -(UPTO MARCH, 2011)

क्र०सं०	उद्योगोंकेप्रकार	ईकाइयोंकीसंख्या	निवेश(लाखरु०में)	रोजगार
1	FOOD PRODUCTS	1778	50.46	8640
2	BEVERAGES, TOBA. & TOBA. PRODUCT	30	1.21	506
3	COTTON TEXTILES	102	11.16	910
4	WOOL,SILK & SYNTHETIC FIBRE TEXTILE	34	2.96	205
5	JUTE,HEMP & MESTA TEXTILES	73	0.89	1095
6	HOISERY & GARMENTS	1052	4.60	3286
7	WOOD PRODUCTS	701	2.52	2471
8	PAPER PRODUCTS & PRINTING	461	7.54	1750
9	LEATHER PRODUCTS	111	0.54	385
10	RUBBER & PLASTIC PRODUCT	160	15.57	982
11	CHEMICAL & CHEMICAL PRODUCTS	280	93.26	4317
12	NON-METALLIC MINERAL PRODUCTS	60	2.34	241
13	BASIC METAL INDUSTRIES	125	3.44	741
14	METAL PRODUCTS	419	3.28	1768
15	MACHINERY & PART EXCEPT ELECTRICAL	51	3.11	361
16	ELECTRICAL MACNINERY & APPARATUS	126	2.27	495
17	TRANSPORT EQUIPMENTS & PARTS	49	0.56	198
18	MISCELLANEOUS MFG.	1307	15.71	4707
19	REPAIRING & SERVICING INDUSTRIES	2810	15.41	7647
	TOTAL	9729	236.83	33599

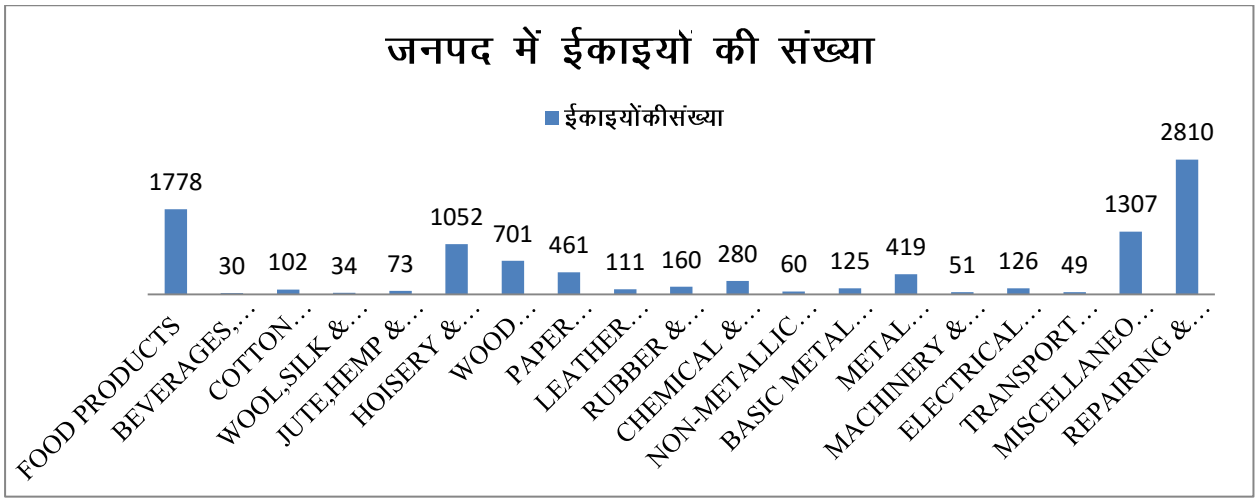

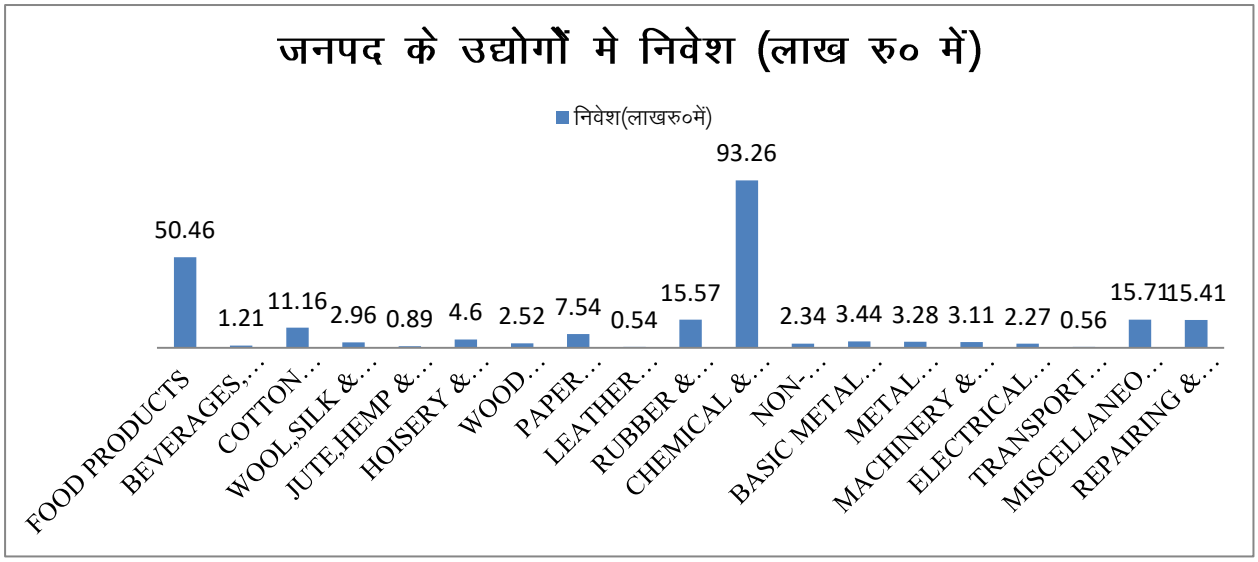

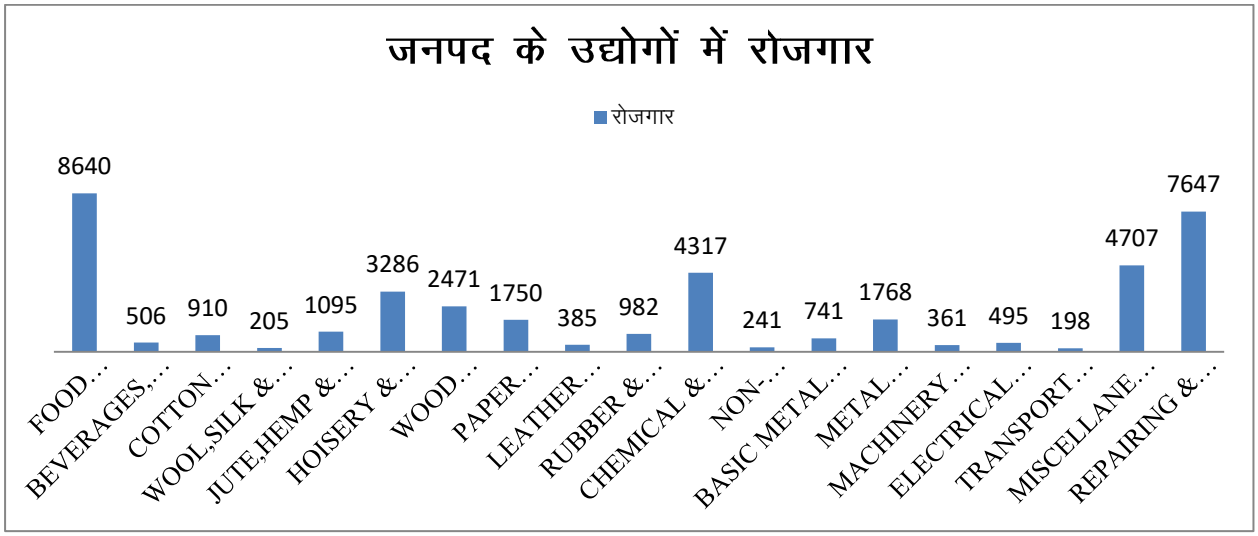

Source:- DIC Gorakhpur

कृषि आधारित उद्योग–

गोरखपुर जनपद में कुल 1778 ईकाइयॉ कार्य कर रही हैं जिसमें कुल 50.46 लाख रू० का निवेश हुआ है । इन उद्योगों के द्वारा 8640 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ

है तथा यहॉ मुख्यतः चावल, आटा, तेल ,दाल, मसाले, चीनी, गुड आदि की औद्योगिक ईकाइयॉ स्थापित हैं।

खादी एवं अन्य वस्त्रोद्योग –

जनपद में कुल102 ईकाइयॉ स्थापित हैं तथा जिनमे कुल 11.16 लाख रू० का निवेश हुआ है । इनमे 910 व्यक्तियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। यहॉ सूती वस्त्रोद्योग का कार्य अत्यधिक होता है।

इसके अलावा यहॉ ऊनी वस्त्र, रेशम वस्त्र, एवं कृत्रिम धागों से निर्मित वस्त्रों का भी उत्पादन होता है। जिनकी कुल 34 ईकाइयॉ जनपद में कार्य कर रहीं हैं। जिसमें कुल 2.96 लाख का निवेश हुआ है तथा 205 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है।

वन आधारित उद्योग–

जनपद में कुल वन आधारित उद्योगों की ईकाइयों की कुल संख्या 701 है तथा इन ईकाइयों में कुल 2.52 लाख रु० का निवेश हुआ है। 2471 लोगों को इस उद्योग से रोजगार की प्राप्ति हुई है। इनमें मुख्यतः फर्नीचर, माचिस, बीड़ी, परास के पत्तों से प्लेट और कटोरी का निर्माण एवं इसके अतिरिक्त कई अन्य वन आधरित वस्तुऍ जैसे पेपर एवं पेपर से बनी वस्तुओं का उत्पादन होता है। जिसकी कुल कार्यरत ईकाइयॉ 461 हैं और उसमें कुल 7,54 लाख रू० का निवेश हुआ है तथा इस उद्योग में कुल 1750 व्यक्ति कार्यरत हैं।

इंजीनियरिंग उद्योग–

जनपद में कुल इंजीनियरिंग उद्योग की 544 ईकाइयॉ स्थापित हैं तथा जिनमे कुल 6.72 लाख रु० का निवेश हुआ है। 2509 लोगों को इस उद्योग से रोजगार की प्राप्ति हुई है। इन औद्योगिक ईकाइयों मे कृषि यंत्रों, लौह उपकरणों एवं भवन निर्माण सम्बन्धित अन्य उपकरणों का निर्माण होता है।

इलेक्ट्रिकल मशीनरी एवं ट्रांसपोर्ट उपकरण–

जनपद में इलेक्ट्रिकल मशीनरी एवं ट्रांसपोर्ट उपकरण उद्योग की कुल 226 ईकाइयॉ स्थापित हैं तथा जिनमे कुल 5.94 लाख रु० का निवेश हुआ है। 1054 लोगों को इस उद्योग से रोजगार की प्राप्ति हुई है। इन औद्योगिक ईकाइयों में वायर, स्वीच, बोंड और चार पहिया वाहन एवं ट्रॉली आदि के वाह्य आवरण का निर्माण किया जाता है।

निष्कर्ष–

समतल भूमि एवं सिंचाई के साधनों की उपलब्धता के कारण यह क्षेत्र कृषि प्रधान है। यहॉ कृषि आधारित उद्योगों के विकास की अपार सम्भावनाऍ हैं, इसके साथ ही यहॉ अन्य लघु एवं मध्यम उद्योगों के विकास की सम्भावनाएँ हैं। यहॉ की भौगोलिक परिस्थितियॉ एवं संसाधन उद्योगों के विकास में सहायक हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 28

और 29 जनपद मे धमनियों की तरह क्षेत्र को सिंचित कर रहे हैं। बिहार और नेपाल को सेवाएँ प्रदान करने के साथ–साथ इसके क्षेत्रीय बाजार का विस्तार भी अधिक है। बर्तमान मे प्रस्तावित पूर्वान्चल एक्सप्रेस–वे, बौद्ध–परिपथ एवं गोरखपुर–दोहरीघाट रेल–परिपथ का विकास हो जाने के बाद क्षेत्र में औद्योगिक विकास की सम्भावनाएँ और भी बढ़ जायेंगी। औद्योगिक विकास हेतु ऊर्जा की आवश्यकता होती है ,जनपद में ऊर्जा के विकास की अभी और आवश्कता है। तभी अध्ययन क्षेत्र का समुचित विकास सम्भव है।

References:

- Singh, Jagdish(1979):Central Places in a Backward Economy,Uttar Bharat Bhugol Patrika,Gorakhpur.
- Mishra,R.P.(1974):Regional Devlopment Planning in India, Vikas Publication, New Delhi.
- Arora,R.C.(1978):Industrial and Rural Development,S.Chand & Company Ltd., New Delhi.
- Mohsin Ndeem(1985):Rural Development Through Government Programmes,Mittal Publication, New Delhi.
- Desai,Vasant(1988):Rural Development Vol-1,Issues & Problems, Himalaya Publishing House, Mumbai.
- Sinha,R.N.P.(1992):Geography and Rural Development,Concept Publication Company, New Delhi.